Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to dedicate national monument in the name of Baba Samal in Baghpat Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

डॉ. सत्यपाल सिंह (**बागपत**): आदरणीय महोदया, मुझे समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं बागपत की पुरानी देवभूमि का और बाद की बागी भूमि का, इतिहास का, राष्ट्रीय विरासत का, एक अद्भुत नेतृत्व, वीरता और शहादत का, अंग्रेजों की क्रूरता का और आधुनिक इतिहासकारों की आपराधिक उदासीनता के एक महत्वपूर्ण विषय की ओर भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । विशेष रूप से हमारे माननीय शिक्षा मंत्री जी यहां पर उपस्थित हैं, मैं उनसे इस बारे में निवेदन करना चाहता हूं ।

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में जिसकी कोई रियासत नहीं थी, जिसका कोई राज्य नहीं था, बागपत के बाबा सामल ने 6 हजार किसानों को इकट्ठा करके अंग्रेजों के दांतों तले चने चबवाये । 18 जुलाई को उनकी शहादत हो गई । उनके 22 साथियों को फांसी पर लटका दिया गया, उनके 32 साथियों को पत्थर के कोल्हू से पिसवा दिया गया, 27 गांवों को बागी बनाया गया और लगभग 300 लोगों को उस जमाने में काला पानी भेजा गया ।

मैं भारत सरकार से यह निवेदन करता हूं कि बाबा सामल के नाम पर एक राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाए और इन बहादुरों, नौजवानों और शहीदों की शहादत को इतिहास के पन्नों में दर्ज कराया जाय ।